खबर एक नजर

दिल्ली की सड़कों पर कई जगह भीषण जाम, रेंगते हुए चल रहे वाहन

नई दिल्ली, दिल्ली-एनसीआर के हजारों लोगों के सप्ताह की शुरुआत सड़कों पर भीषण जाम से जूझने के साथ हुई है। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, कश्मीरी गेट स्थित इंटर स्टेट बस टर्मिनस के आसपास सोमवार सुबह से भीषण जाम लगा हुआ है। आलम यह है कि वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ रहे हैं। बता दें कि इससे बीते सोमवार को भी दिल्ली के लोगों को विभिन्न रूटों पर भारी जाम का सामना करना पड़ा था। दरअसल, 19 जुलाई को हुई भारी बारिश के चलते जगह-जगह सड़कों पर पानी भरने से जहां वाहनों की गति धीमी हुई थी, तो कई जगहों पर रूट डायवर्जन भी किया गया था। इसके कारण जलभराव व सिग्नल खराब होने से सुबह से ही विभिन्न मार्गों पर लोग जाम से दो-चार हुए थे। इस दौरान सड़कों पर वाहन रेंग-रेंग कर चलते रहे। दरअसल, कामकाज का पहला दिन होने के कारण सड़कों पर आम दिनों के मुकाबले वाहन भी ज्यादा थे।

पिंजड़ा तोड़ की कार्यकर्ता देवांगना को राहत, आरोपों की जानकारी देने पर लगी रोक

नई दिल्ली, दिल्ली हाई कोर्ट ने पिंजड़ा तोड़ की कार्यकर्ता देवांगना कलीता के खिलाफ आरोपों की जानकारी देने से दिल्ली पुलिस को रोक दिया है। न्यायमूर्ति विभू बाखरू ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आदेश सुनाते हुए यह भी कहा कि 2 जून को दिल्ली पुलिस की तरफ से जारी प्रेस नोट को मीडिया के सामने रखने के लिए की गई प्रार्थना को इस मामले के बारे में नहीं बताया जा सकता है। अदालत ने जेएनयू की छात्रा कलीता की याचिका पर यह आदेश दिया, जिसमें पुलिस की तरफ से उसके खिलाफ कुछ सबूतों का चयन कर प्रसारित करने का आरोप लगाया था। बता दें कि पिंजरा महिला छात्रों और दिल्ली भर के कॉलेजों के पूर्व छात्रों का एक समूह है। 23 मई को गिरफ्तार की गई कलीता को पिछले साल दिसंबर में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान पुरानी दिल्ली के दरियागंज इलाके में हिंसा से जुड़े एक मामले में न्यायिक हिरासत लिया था। वह अभी तिहाड़ जेल में हैं। देवांगना कलीता के खिलाफ तीन मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें इस साल के शुरू में पूर्वोत्तर दिल्ली दंगों के संबंध में भी शामिल है। नागरिकता कानून समर्थकों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसा के बाद 24 फरवरी को पूर्वोत्तर दिल्ली में सांप्रदायिक झड़प हुई थी, जिसमें कम से कम 53 लोग मारे गए थे और लगभग 200 लोग घायल हो गए थे

ग्राहकों को लुभाने के लिए राखी पर 20 से 50 फीसद तक छूट दे रहे कारोबारी

नई दिल्ली, लॉकडाउन-2 के 26 दिन बाद राखी और बकरीद के त्योहार को लेकर बाजार में चहल-पहल बढ़ी है। ग्राहकों के बाजार में पहुंचने से व्यापारी भी आशान्वित नजर आ रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि चार माह बाद बाजार में ग्राहकों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। उम्मीद है कि आगे के त्योहारी सीजन में कारोबार को गति मिलेगी। और कई माह से हो रहे नुकसान की भरपाई की जा सकेगी। त्योहार में ग्राहकों को लुभाने के लिए कारोबारी 20 से 50 फीसद तक छूट दे रहे हैं। सरोजनी नगर मिनी मार्केट एसोसिएशन के प्रधान अशोक रंधावा ने बताया कि राखी और बकरीद त्योहार को लेकर ग्राहकों में उत्साह दिख रहा है। पिछले सप्ताह के मुकाबले 20 फीसद से अधिक ग्राहकों की संख्या बढ़ गई है। ग्राहकों को लुभाने के लिए अलग-अलग सामान पर छूट दे रहे हैं, वहीं नेहरू प्लेस कंप्यूटर ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान महेंद्र अग्रवाल ने बताया कि बाजार में दोबारा चहल-पहल दिख रही है।

ड्राइवर की गैरहाजिरी में घर जाता था दोस्त, पत्नी से संबंध होने के शक में मार डाला

नई दिल्ली,

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दोस्त की हत्या के मामले में दोषी साबित फरार शख्स को दबोच लिया। दिल्ली हाई कोर्ट से वर्ष 2017 में पैरोल मिलने के बाद से ही वह भूमिगत हो गया था। उसकी पहचान राकेश के रूप में हुई है। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर निवासी शख्स को पुलिस ने नोएडा सेक्टर-एक से गिरफ्तार किया। क्राइम ब्रांच के डीसीपी राकेश पावरिया ने मुताबिक राकेश की करावल नगर निवासी सोनू से गहरी दोस्ती थी। चालक होने के कारण राकेश लंबे समय तक घर नहीं आता था। उधर, दोस्त की गैर हाजिरी में सोनू उसके घर जाता रहता था। यह बात राकेश को पंसद नहीं आ रही थी। उसे शक था कि दोस्त का उसकी पत्नी से अवैध संबंध है। इस कारण राकेश ने सोनू को मारने की साजिश रची थी। साजिश के तहत 8 मार्च 2009 को उसने सोनू को शराब पीने के लिए बुलाया था। बाद में राकेश ने अपने साथियों के साथ मिलकर गोली मारकर सोनू की हत्या कर दी थी। बाद में राकेश उसके शव को उप्र के खुर्जा में सड़क किनारे फेंक कर फरार हो गया था। इस घटना के अगले दिन राकेश ने परिवार के साथ दिल्ली छोड़ दिया था। इस संबंध में स्वजनों की शिकायत पर करावल नगर थाने में सोनू के अपहरण का केस किया दर्ज किया गया था। खुर्जा में अगले दिन सोनू का शव बरामद होने पर पुलिस ने मामले की छानबीन के बाद चार जुलाई को राकेश को गिरफ्तार कर लिया था। कोर्ट ने बाद में उसे अपहरण और हत्या के मामले में दोषी करार देकर जेल भेज दिया था। वर्ष 2017 में पैरोल मिलने के बाद राकेश जेल से बाहर आ गया था और दोबारा जेल न जाना पड़े, इसके लिए वह फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में थी। इसी दौरान क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली थी कि राकेश नोएडा इलाके में आने वाला है। उसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

मानसून फिर हुआ सक्रिय, दिल्ली-एनसीआर में 3 दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली दिल्ली-एनसीआर में उमस और गर्मी में हल्का इजाफा होने के बीच मानसून को लेकर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से राहत भरी खबर आई है। सोमवार को भी आसमान में बादल छाए रहेंगे और दिल्ली-एनसीआर में बारिश होने के आसार हैं। इससे पहले रविवार को मानसून की झमाझम बारिश ने उमस भरी गर्मी से खासी राहत दिलाई, लेकिन दिल्ली के बाहर बारिश नहीं हुई। वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में इस पूरे हफ्ते ही बारिश और राहत का यह दौर जारी रहने की संभावना है। 3 दिन के लिए जारी है ऑरेंज अलर्ट मौसम में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के बीच की ओर से सोमवार से लेकर बुधवार तक लगातार 3 दिन तक दिल्ली-एनसीआर में मूसलाधार बारिश की संभावना जताई गई है।

मिंटो ब्रिज जलभराव में जान गंवाने वाले कुंदन के परिजनों को सीएम ने दी 10 लाख रुपये आर्थिक मदद

नई दिल्ली,

दिल्ली में तेज बारिश के दौरान मिंटो ब्रिज के नीचे जलभराव की वजह से जान गंवाने वाले कुंदन के परिजनों को सीएम केजरीवाल ने दस लाख आर्थिक सहायता दी है। परिजनों से मुलाकात के दौरान सीएम ने कहा कि कुंदन के जीवन का कोई मूल्य नहीं है लेकिन उम्मीद करता हूं कि परिवार को इससे थोड़ी मदद मिलेगी। सीएम केजरीवाल ने कहा कि भविष्य में भी कुंदन के परिजनों को कोई जरूरत हुई तो उनकी जरूर मदद की जाएगी। बता दें कि मिंटो ब्रिज जलभराव में जान गंवाने वाले कुंदन उत्तराखंड के रहने वाले थे। 19 जुलाई को हुई थी मौत बता दें कि 19 जुलाई को मिंटो रोड पर भरे पानी में डूबने वाले कुंदन सिंह महर के लिए पिकअप न सिर्फ रोजगार का जरिया थी, बल्कि उनका आशियाना भी उसी में था। लेकिन, यही आशियाना उनकी जलसमाधि बन गया और इसी के साथ डूब गया पूरे परिवार की उम्मीदों का सूरज। दरअसल कुंदन पत्नी व दो बेटियों के साथ ही माता-पिता की भी बुढ़ापे की लाठी थे। ऐसे में वह दिन रात मेहनत कर बेटी की विदाई के लिए धन जुटा रहे थे।बड़ी बेटी की शादी नवंबर में होनी थी पुलिस के मुताबिक कुंदन शंकर मार्केट के टैक्सी स्टैंड में ही अपनी पिकअप सोते थे। उनकी दो बेटियां हैं, जिसमें 21 वर्षीय बड़ी बेटी की शादी नवंबर में करने वाले थे। 12 साल की छोटी बेटी अभी पढ़ाई कर रही हैं। उनके दो भाई और थे, जिनका निधन पहले हो चुका है। वह घर में अकेले कमाने वाले थे। गाजियाबाद निवासी उनके चचेरे भाई प्रीतम सिंह ने बताया कि 56 वर्षीय कुंदन सिंह महर मार्च में लॉकडाउन होने से पहले उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से दिल्ली आए थे और उनकी ही पिकअप चलाते थे। परिवार की जिम्मेदारियों के चलते उन्होंने अपना कोई स्थाई ठिकाना नहीं बनाया था। पिकअप में ही सोते, रहते और खाते-पीते थे।

दिल्ली मॉडल की विदेशों में भी चर्चा

कोरोना की स्थिति में हुआ तेजी से सुधार केजरीवाल

नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली मॉडल की चर्चा देश और पूरी दुनिया में हो रही है। लोग चर्चा कर रहे हैं कि कैसे दिल्ली में कोरोना की स्थिति में सुधार हुआ।

देश और दुनिया में मामले बढ़ते चले जा रहे हैं और दिल्ली में कम हो रहे हैं। सीएम ने कहा कि हमारा रिकवरी रेट 88 फ़ीसद पहुंच गया है यानी 100 में से 88 लोग ठीक हो चुके हैं। केवल 9 फ़ीसद लोग बीमार बचे हैं। जिनका इलाज चल रहा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में लगभग 2 से 3 फ़ीसद लोगों की मौत हुई है।

सबसे बड़ी बात यह है कि दिल्ली में मौत के आंकड़ों में भारी गिरावट आई है। रविवार को 21 मरीजों की मौत हुई जो जून के महीने में 100 से ज्यादा हुआ करती थी। हालांकि इतनी मौत भी नहीं होनी चाहिए थी। पहले 100 लोगों का टेस्ट करते थे तो 35 संक्रमित निकलते, अब 5 निकलते हैं।

अस्पतालों में 15500 बेड का इंतजाम है जिसमें से 2800 पर ही मरीज हैं। कोरोना मामले में 10वें नंबर पर दिल्ली सीएम ने कहा कि जून महीने में हम देश में दूसरे नंबर पर थे अब 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं। केजरीवाल ने लोगों से एक बार फिर से अपील करते हुए कहा कि आप सभी लोग सावधानी मत हटने देना। मास्क हमेशा पहनते रहना।

कोरोना कब बढ़ जाए इसका कुछ नहीं पता। इसके साथ ही अब हमें अर्थव्यवस्था पर ध्यान देना होगा। सीएम ने दिल्ली के सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी को मिलकर दिल्ली की अर्थव्यवस्था को सुधारना हैं।

सभी व्यापारियों से सभी प्रोफेशनल से सभी मार्केट एसोसिएशन से सभी एनजीओ से सभी मीडिया से सभी सरकारी संस्थाओं से अपील करता हूं कि आइए अब मिलकर दिल्ली की अर्थव्यवस्था को सुधारने की तरफ आगे बढ़ें।

गांजा नहीं मिला तो एक कटोरे पानी के साथ निगल गया चाकू, डॉक्टर हैरान

नई दिल्ली

नशे के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते मगर यह कहानी आपको हैरान कर देगी। आप भी इस कहानी को पढ़ कर एक बार चौंक जाएंगे कि नशे का आदी इंसान क्या से क्या कर सकता है। आइए जानते हैं कैसे नशे का सामान नहीं मिलने पर एक युवक ने किया हैरतअंगेज कारानामा जिसे देखते ही डॉक्टर भी रह गए हैरान। गांजा पीने का आदी था युवक लॉकडाउन की वजह से गांजा नहीं मिला तो नशे के आदी युवक ने ऊबकर 20 सेंटीमीटर का चाकू निगल लिया। इससे युवक की जान जोखिम में पड़ गई। एम्स के डॉक्टरों ने सर्जरी कर लिवर से चाकू व 500 मिलीलीटर पस निकाला है। सर्जरी के बाद उसके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। लिवर से इतना बड़ा चाकू निकाले जाने की यह देश की पहली घटना बताई जा रही है। पांच साल से पी रहा था गांजा हरियाणा के

पलवल निवासी 28 वर्षीय श्रमिक पांच साल से गांजा पी रहा था। इस लत के कारण उसे साइकोसिस की बीमारी हो गई थी। इसका घर के लोगों ने ठीक से इलाज नहीं कराया। डॉक्टर कहते हैं कि साइकोसिस के कई मरीजों द्वारा पहले भी आलपिन, चम्मच इत्यादि निगलने की घटनाएं हुई हैं, लेकिन ऐसी घटना नहीं देखी गई। सर्जरी के बाद से परिजन व नर्स मरीज पर 24 घंटे नजर रख रहे हैं। साथ ही मनोचिकिसक भी उसकी काउंसलिंग व इलाज कर रहे हैं। डॉक्टरों को युवक ने बताया कि एक कटोरे पानी के सहारे वह चाकू को निगल गया था। डॉक्टरों को अनुमान है कि निगलते समय चाकू का हैंडल नीचे की तरफ था। ऐसे पहुंचा लिवर मेंचाकू गैस्ट्रोइंटेस्टाइन सर्जरी विभाग के डॉ एनआर दास के मुताबिक चाकू भोजन नली से होते हुए आमाशय व डुओडेनम (छोटी आंत का पहला भाग) में पहुंच गया। यह सी आकार का होता है। यहां डुओडेनम में छेद कर चाकू का धारदार हिस्सा लिवर में धंस गया, जबकि हैंडल डुओडेनम में फंसा रहा। वहीं लिवर में रक्तस्राव से पस जम गया। इससे संक्रमण होने के साथ ही खून की कमी हो गई। मरीज में हीमोग्लोबिन की मात्रा छह ग्राम प्रति डेसीलीटर पर पहुंच गई थी। ऐसे चला पता संक्रमण से बुखार आने व तबीयत बिगडऩे पर परिजनों ने सफदरजंग अस्पताल में दिखाया। वहां के डॉक्टरों ने एक्सरे किया तो लिवर में चाकू देखकर हैरान रह गए। उन्होंने तुरंत एम्स में स्थानांतरित कर दिया। एम्स की इमरजेंसी में कोरोना की जांच नेगेटिव आने के बाद उसे भर्ती किया गया। सीटी स्कैन में पता चला कि लिवर में जिस जगह पर चाकू फंसा था, उसके बेहद नजदीक खून की बड़ी नसें व पित्त की थैली थी। डॉक्टरों ने सर्जरी कर इस तरह निकाला चाकू गंभीर संक्रमण के कारण सर्जरी करना मुश्किल था। इसलिए लिवर में ट्यूब डालकर पहले चार-पांच दिनों में करीब 500 मिलीलीटर पस और छाती में जमे पानी को निकाला गया। वहीं तीन यूनिट ब्लड चढ़ाया गया और हाई डोज एंटीबायोटिक दवा दी गई। सात दिन बाद संक्रमण थोड़ा कम हुआ। तब दोबारा कोरोना की जांच कराकर रिपोर्ट नेगेटिव आने पर सर्जरी की गई। इसमें डुओडेनम में छेद करके चिमटे से चाकू के हैंडल को पकड़कर व एंडोस्कोपी से देखकर धीरे-धीरे निकाला गया। इस बीच काफी देर तक लिवर को दबाकर रखा गया ताकि अधिक रक्तस्राव न होने पाए। इसके बांद डुओडेनम को बंद कर न्यूट्रिशन के लिए ट्यूब डाली गई।

इंदिरा गांधी ने भी लालकिले में जमीन से 32 फीट नीचे रखा था टाइम कैप्सूल

नई दिल्ली

अयोध्या में राम जन्मभूमि के इतिहास को सहेजने के उद्देश्य से मंदिर निर्माण स्थल पर जमीन में करीब 200 फीट नीचे राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा टाइम कैप्सूल रखे जाने की तैयारियों ने 15 अगस्त 1973 को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लालकिला परिसर में जमीन में 32 फीट नीचे रखे गए टाइम कैप्सूल की यादें ताजा कर दी हैं। स्वतंत्रता दिवस की 26वीं वर्षगांठ के मौके पर इंदिरा गांधी द्वारा भूमि में दबाए गए इस टाइम कैप्सूल का नाम कालपात्र रखा गया था और यह उस दौर में सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्ष के बीच सियासी खींचतान का प्रतीक बन गया था। उस दौरान टाइम कैप्सूल को लेकर सियासत इस कदर चरम पर थी कि चुनाव में विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाया था। चुनावी प्रचार के दौरान भी विपक्षी नेताओं ने वादा किया था कि वे सत्ता में आए तो कालपात्र को जमीन से निकालेंगे और इसकी सच्चाई जनता के सामने पेश करेंगे। वर्ष 1977 में कांग्रेस को केंद्र की सत्ता से बाहर कर मोरारजी देसाई के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार बनी। सरकार गठन के कुछ दिनों बाद टाइम कैप्सूल को निकाला गया, लेकिन जनता पार्टी की सरकार ने इस बात को उजागर नहीं किया कि इसके अंदर क्या था। तब से लेकर आज तक यह टाइम कैप्सूल रहस्य बना हुआ है। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उस समय जहां टाइम कैप्सूल को आजादी के बाद के 25 वर्षों में देश की उपलब्धि और संघर्ष की कहानी की पाण्डुलिपि बताया था, वहीं विपक्ष का आरोप था कि इंदिरा गांधी ने टाइम कैप्सूल में अपना और नेहरू-गांधी परिवार का महिमामंडन किया है। दिस

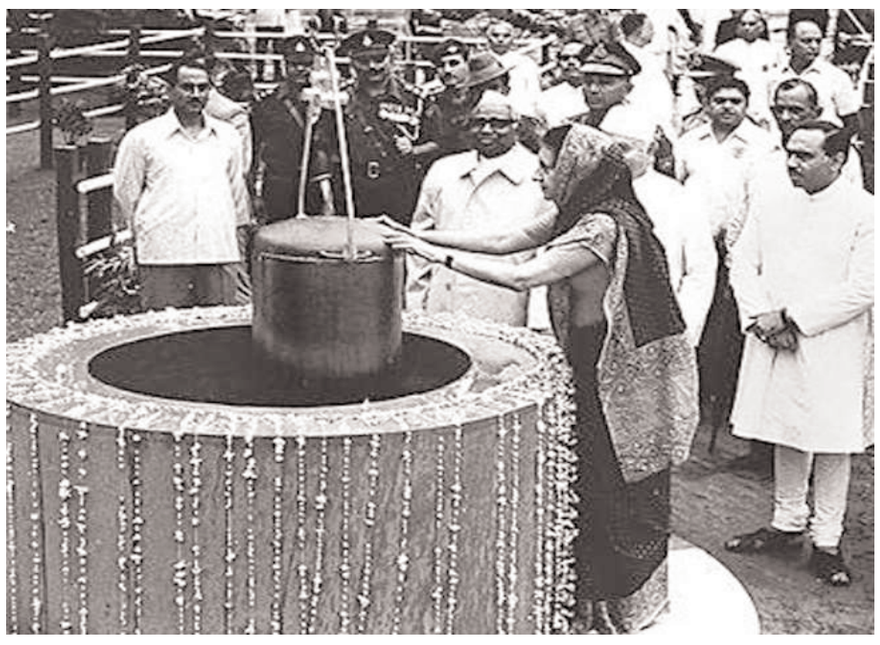

हजार शब्दों में था इतिहास वर्ष 1973 में दिल्ली शहर युवक कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष रहे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जय प्रकाश अग्रवाल बताते हैं कि उस समय कांग्रेस सरकार ने तांबे से निर्मित टाइम कैप्सूल तैयार कराया था। इसमें रखे गए दस्तावेज में स्वतंत्र भारत के 25 वर्षों की उपलब्धि व संघर्ष का इतिहास दस हजार शब्दों में दर्ज किया गया था। अग्रवाल ने बताया कि इंदिरा सरकार ने कैप्सूल को इस तरह से तैयार कराया था कि वह जमीन के भीतर एक हजार साल तक सुरक्षित रहे। सरकार का मानना था कि जब यह कैप्सूल जमीन से निकाला जाएगा तो इसमें रखे दस्तावेज युवा पीढ़ी को उनके गौरवशाली देश के इतिहास से परिचित करवाएंगे। उन्होंने बताया कि टाइम कैप्सूल को जमीन में डालने में कुल आठ हजार रुपये का खर्च आया था, जबकि मोरारजी देसाई सरकार द्वारा इसे निकाले जाने में 58 हजार रुपये खर्च हुए थे। हालांकि, दोबारा इसे जमीन के नीचे नहीं डाला गया और न ही यह तथ्य कभी सार्वजनिक किया गया कि इसके अंदर क्या था। क्या है टाइम कैप्सूल टाइम कैप्सूल धातु के एक कंटेनर की तरह होता है, जिसे विशिष्ट तरीके से बनाया जाता है। टाइम कैप्सूल हर तरह के मौसम का सामना करने में सक्षम होता है। उसे जमीन के अंदर काफी गहराई में रखा जाता है। काफी गहराई में होने के बावजूद भी न तो उसको कोई नुकसान पहुंचता है और न ही वह सड़ता-गलता है। टाइम कैप्सूल को दफनाने का मकसद किसी समाज, काल या देश के इतिहास को सुरक्षित रखना होता है, ताकि भविष्य की पीढ़ी को किसी खास युग, समाज और देश के बारे में जानने में मदद मिले।

दिल्ली में सीएम केजरीवाल ने किया जॉब पोर्टल का शुभारंभ, जरूरतमंद ऐसे करा सकेंगे पंजीकरण

नई दिल्ली

दिल्ली में बेरोजगार लोगों की समस्याओं को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ा कदम उठाते हुए सोमवार को जॉब पोर्टल का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिसे भी कामगार चाहिए है वे इस वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण करा सकेंगे, जिन्हें नौकरी चाहिए वे यहां पंजीकरण करा सकेंगे। यह एक तरह से रोजगार बाजार खोलने जैसा है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि आज जो लोग कंस्ट्रक्शन का काम शुरू करना चाहते हैं लेकिन उन्हें मजदूर नहीं मिल रहे। उद्योग और प्रोफेशनल लोगों को कामगार नहीं मिल रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ जिन लोगों की नौकरी गई है उन लोगों को काम नहीं मिल रहा। इन दोनों के बीच तालमेल बैठाने के लिए दिल्ली सरकार पोर्टल शुरू करने जा रही है। ताकि किसी को कोई दिक्कत न हो। सीएम केजरीवाल ने बताया किपर जाकर लोग पंजीकरण करा सकेंगे। जिस किसी को भी कामगार चाहिए। उसके बारे में सारी जानकारी इस वेबसाइट पर डाल दे। जिन जिन लोगों को नौकरी चाहिए वह भी अपनी सारी जानकारी इस वेबसाइट पर डाल दें। इसमें यह भी जानकारी दें कि आपको किस तरह की नौकरी चाहिए। सीएम ने कहा कि एक तरह से यह एक रोजगार बाजार है। यहां पर नौकरी देने वाले आएंगे और नौकरी लेने वाले भी आएंगे। यहां पर दोनों का मेल-मिलाप होगा।मुफ्त में मिलेगी सेवा दिल्ली सरकार के श्रम मंत्री गोपाल राय ने कहा कि जॉब के लिए कई प्राइवेट साइट हैं लेकिन यह सुविधा सरकार की तरफ से मुफ्त है। इसके लिए किसी को पैसा देने की जरूरत नहीं है। कोई दलाल आपसे पैसा मांगता है तो आपको पैसा देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह सेवा सरकार की तरफ से मुफ्त है। उन्होंने कहा कि स्किल सेंटर से निकलने वाले बच्चे भी खुद को इस वेबसाइट पर रजिस्टर कर सकते हैं। जिन लोगों को वेबसाइट चलाना नहीं आता उनकी ऐसे लोग मदद करें जिनको वेबसाइट चलाना आता है।योग आर्टिस्टिक श्रेणी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे हेमंत शर्मा योग आर्टिस्टिक श्रेणी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे हेमंत शर्मादिल्ली में अब रेहड़ी पटरी खोल सकेंगे दुकान वहीं दिल्ली में अब रेहड़ी पटरी वाले भी दुकानें खोल सकेंगे।

Morning Glory Leasing & Finance Limited
CIN: L67120DL1984PLC018872
Tel. No.: +91 11 47119100
Regd. Off: Iris House, 16, Business Centre, Nangal Raya, New Delhi- 110046
Email: morninggloryleasing@gmail.com
Website: www.morninggloryleasing.in

NOTICE

NOTICE is hereby given that, pursuant to Regulation 47(1) of Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, that the meeting of the Board of the Directors of the Company will be held on Friday, 31st July, 2020 at Registered office of the Company, to inter-alia,consider and approve the Audited Financial Results for the Quarter/ Financial year ended 31.03.2020.
Further, details of this notice are available on Website of the company at www.morninggloryleasing.in and also on the Website of MSEI Ltd. (www.msei.in).

For Morning Glory Leasing & Finance Ltd.
Date : 27.07.2020 Sd/-
Place : New Delhi Payal Madaan
Company Secretary cum Compliance Officer

उत्तर रेलवे

ई–निविदा (ई–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ–निविदा आमंत्रण।

1.	कार्य का नाम	एडीईन/डीली के तहत एसएसई/डब्ल्यू/डीली लाइन के खंड में डीकेजेड गुड्स शेड में सड़क की सतह और क्षतिग्रस्त मंच की मरम्मत का कार्य।
2.	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये)	1,49,99,962 (रुपये एक करोड़ उनचास लाख निन्यानवे हजार नौ सौ बासठ केवल)
3.	बयाना राशि (रूपये)	Rs. 2,25,000/-(रुपए दो लाख पच्चीस हजार केवल)
4.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रूपये)	Rs. 5900/-
5.	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	21.08.2020 को 15:00 तक।
6.	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा आई आर पी एस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध।

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

निविदा संख्या : 128-w/280/-इ–निविदा सूचना/14-2020-21/W-3
दिनांक: 27.07.2020 **1649/2020**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ